मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BSKC–105

बी. ए. ऑनर्स (संस्कृत) कार्यक्रम

(बी. ए. एस. के. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

बी.एस.के.सी.-105 : लौकिक संस्कृत साहित्य (नाटक)

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में* ***तीन*** *खण्ड हैं। तीनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड—क

(व्याख्या आधारित प्रश्न)

1. अधोलिखित पद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— 10×3=30

(क) अनुचरति शशाङ्कं राहुदोषेऽपि तारा
पतति च वनवृक्षे याति भूमिं लता च।
त्यजति न च करेणुः पङ्कलग्नं गजेन्द्रं
व्रजतु चरतु धर्मं भर्तृनाया हि नायः॥

अथवा

अयशसि यदि लोभः कीर्तयित्वा किमस्मान्
किमु नृपफलतर्षः किं नरेन्द्रो न दद्यात्।
अथ तु नृपतिमातेत्येष शब्दस्तवेष्टा
वदतु भवति ! सत्यं किं तवार्यो न पुत्रः॥

(ख) यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया
कण्ठः स्तम्भितबाष्पवृत्तिकलुषश्चिन्ताजडं दर्शनम्।
वैक्लव्यं मम तावदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः
पीड्यन्ते गृहिणः कथं नु तनयाविश्लेषदुःखैर्नवैः॥

अथवा

भूत्वा चिराय चतुरन्तमहीसपत्नी
दौष्यन्तिमप्रतिरथं तनयं निवेशय।
भर्त्रा तदर्पित कुटुम्बभरेण साधं
शान्ते करिष्यसि पदं पुनराश्रमेऽस्मिन्॥

(ग) पुरुषस्य जीवितव्यं विषमाद् भवति भक्तिगृहीतात्।
मारयति सर्वलोकं यस्तेन यमेन जीवामः॥

अथवा

क्रूरगहः सकेतुश्चन्द्रमसम्पूर्णमण्डलमिदानीम्।

अभिभवितुमिच्छति बलाद् रक्षत्येनं तु बुधयोगः॥

खण्ड—ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. 'मुद्राराक्षस' नाटक के नामकरण का आधार स्पष्ट कीजिए। 5

3. संस्कृत नाटकों की उत्पत्ति सम्बन्धी भारतीय मतों का उल्लेख कीजिए। 5

4. रूपक के भेद 'प्रहसन' को लक्षण एवं उदाहरण सहित समझाइए। 5

5. महाकवि भास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 5

6. 'अभिज्ञानशाकुन्तम्' नाटक के आधार पर दुष्यन्त का चरित्र-चित्रण कीजिए। 5

खण्ड—ग

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

7. संस्कृत नाट्य-साहित्य की सामान्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 10

8. 'प्रतिमानाटक' के नामकरण का आधार स्पष्ट करते हुए नाटक की कथावस्तु का सविस्तार विवेचन कीजिए। 10

9. महाकवि कालिदास की नाट्यकला और शैली पर प्रकाश डालिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए— 5×3=15

(क) नान्दी

(ख) प्रस्तावना

(ग) सूत्रधार

(घ) आकाशभाषित